No. of Printed Pages : 5

पी.जी.डी.टी.-2

01409

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

पी.जी.डी.टी.-2 : अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

भाग - I

नोट : निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के ***अंक समान*** *हैं।* 3x20=60

1. संप्रेषण का आशय स्पष्ट करते हुए भाषा संप्रेषण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

2. वाक्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए अर्थ की दृष्टि से वाक्य के प्रकार बताइए।

3. हिंदी में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के संदर्भ में शुद्धतावादी अंग्रेज़ीवादी तथा समन्वयवादी विचार-धाराओं का सोदाहरण परिचय दीजिए।

4. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने सन् 1962 में नागरी लिपि में कौन–कौन से वर्णों तथा अंकों के प्रयोग की सिफ़ारिश की थी, और क्यों?

5. 'बहुभाषी समाज' का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए समझाइए कि बहुभाषिकता किसी समाज की जीवन–प्रक्रिया और व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित करती है।

6. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भाषा में वाक् प्रतीकों की यादृच्छिकता

(ख) सामान्य तथा तकनीकी शब्दों में समानता तथा अंतर

(ग) दूसरी भाषा और विदेशी भाषा शिक्षण में अनुवाद की भूमिका

(घ) राजभाषा के प्रयोग के क्षेत्र

भाग – II

नोट : ***सभी*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

7. निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए : **20**

Don't talk to a child from a high pedestal. Speak to him about things that interest him and in terms he can comprehend (समझ सकता हो). Particularly, in commenting upon his drawings or colouring, his efforts at carpentry, his attempts at writing, or music that he has played or sung for you, focus his attention upon *what* has been done, not upon how well *he* has done it. An honest piece of work, at any level of accomplishment (निपुणता), deserves honest appreciation. Comments upon the work leave the child free to participate in the conversation, instead of forcing him into bashful (शर्मीली) and self - conscious silence. Discussion from an equal level will help him become natural and self assured.

8. निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए : **10**

कुछ लोग, जो कि अपने को व्यवहारवादी (practical) कहते हैं, सच्चाई का दम भरते हैं (vouch for)। लेकिन एकपक्षीय सच्चाई में वे ख़तरा देखते हैं। वे कहते हैं कि सामनेवाला (the other person) अगर असत्य का उपयोग करता है, हिंसा करता है और हम ही सत्य और अहिंसा पर डटे रहेंगे तो उससे हमारा नुकसान होगा। ये लोग वास्तव में सच्चाई की कीमत ही नहीं जानते। अगर जानते होते तो ऐसी दलील (argument) नहीं देते। हमारे प्रतिपक्षी (opponents) भूखे रहते हैं तो हम ही क्यों खाएँ, ऐसा तर्क वे नहीं देते / जानते है कि

जो खाएगा वह ताकत पाएगा। इसका प्रतिपक्षी से कोई संबंध नहीं है। एकपक्षीय खाना तो मंजूर है, लेकिन एकपक्षीय सच्चाई या प्रेम मंजूर नहीं। इसका क्या अर्थ है? सामनेवाला जैसा होगा हम भी वैसे ही बनेंगे। इसका मतलब यही हुआ कि अपने व्यवहार का नियंत्रण हम उसके हाथों में छोड़ देंगे।

9. निम्नलिखित प्रश्न-पत्र का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10

B.A. (Hons.)/ II

POLITICAL SCIENCE - Paper IV

(Indian Government and Politics)

(New Course)

Time : 3 hours Maximum marks : 100

(Write your Roll No. on top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

Attempt *any five* questions. *All* questions carry equal marks.

1. Critically examine the principles of democracy and socialism enshrined in the constitution of India.

2. Write a critical essay on Fundamental Rights.

3. Elucidate the problem areas of centre-state relations and the reasons of their growth.

4. Critically examine the paths of development which India adopted after Independence. How far have we achieved our goals ?

5. Describe the main features of the Indian party system. How do you perceive its future ?